एमिटी यूथ फेस्टिवल, 2021 के अवसर पर आयोजित वेबिनार में संबोधन

- सर्वप्रथम आप सबको महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा आप सब पर बनी रहे। आपके सभी मनोरथ पूर्ण हों, यही मेरी कामना है।

- एमिटी यूथ फेस्टिवल के इस 10वें संस्करण में आप सब प्रतिभाशाली छात्रों एवं एमिटी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों से जुड़ कर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

- आज इस कार्यक्रम में अपना टैलेंट दिखाने के लिए, अपनी क्रिएटिविटी दिखाने के लिए, अपना कम्पिटिटिव स्किल दिखाने के लिए आप सब छात्र-छात्राएं, नौजवान जिस जोश के साथ हिस्सा ले रहे हैं, वह प्रशंसा के योग्य है। अतः, सबसे पहले मैं इसमें हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को और ऐसा सुअवसर प्रदान करने वाले आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और आप सबका अभिनंदन करता हूं।

- देश के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा एक अनिवार्य कारक है और इस क्षेत्र में सरकार के सभी प्रयासों के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी आवश्यक है। ऐसे में एमिटी जैसी शिक्षण संस्थाएं बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराती हैं तथा छात्रों को अध्ययन के लिए उपयुक्त माहौल एवं अवसर प्रदान करती हैं, इसके लिए वे निश्चित ही साधुवाद के पात्र हैं।

- साथियो, ज्ञान के क्षेत्र में हमारे देश की अपनी एक पहचान रही है। यह पहचान सदियों पुरानी है। कहते हैं कि शून्य का आविष्कार भारत में ही हुआ था। आज ज्ञान के क्षेत्र में भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

- शून्य से मंगलयान तक की हमारी यात्रा रही है, उपनिषद से उपग्रह तक का सफर हमने तय किया है। ऐसी उपलब्धियां गौरवान्वित करती हैं।

- आज का समाज टेक्नोलॉजी ड्रिवन है। Innovation, Technology, Skill Development ही समाज को गति एवं ऊर्जा दे रहे हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि हम अपनी सभ्यता और संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विज्ञान, कला और तकनीक के शिखर की ओर अग्रसर हों।

- हमारे युवाओं में सपने देखने की क्षमता है। इन सपनों को संकल्प में बदलने और संकल्प को सिद्धि में बदलने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

- स्कूल और कॉलेज केवल शिक्षा के केंद्र भर नहीं हैं। यह ऊंचे लक्ष्यों और ऊंचे संकल्पों को साधने की शक्ति अर्जित करने की प्रेरणास्थली हैं।

- यह विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण एवं उनके सामर्थ्य निर्माण की ऊर्जा भूमि भी है।

- ये शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के इंटेलेक्चुअल, अकादमिक और फिजिकल डेवलपमेंट को निखारते हैं और उन्हें नई परिस्थितियों और नई चुनौतियों का सामना करने के योग्य बनाते हैं।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल नीति तथा युवा विकास नीति को देश के युवाओं के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर ही तैयार किया गया है।
- किसी भी देश की उन्नति वहां की युवा शक्ति पर निर्भर करती है। जिस देश का युवा जितना जागृत, जितना शिक्षित और होनहार होता है, वह देश उतनी ही तरक्की करता है। युवा शक्ति के संबंध में युवाओं के अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 'युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है'।
- आज हमारी युवा शक्ति हमारे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए हम अपने युवाओं की शक्ति को पहचाने और उन्हें भारत के भविष्य के निर्माताओं के तौर पर विकसित करें।
- युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाना भी बहुत आवश्यक है। 'नेशनल यूथ पार्लियामेंट' एक ऐसा ही कदम है, जिसका आयोजन जनवरी माह में संसद भवन में युवा दिवस के अवसर पर किया गया था।
- युवाओं में संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री जी ने "Know Your Constitution" का मंत्र दिया था।
- हमारा लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब संवैधानिक आदर्शों को आत्मसात करते हुए युवा पीढी की लोकतांत्रिक गतिविधियों में भागीदारी बढेगी।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि ताकत शरीर की शक्ति से नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति से आती है। हमें अपने युवाओं में राष्ट्र निर्माण की उसी इच्छाशक्ति को सुदृढ करना है।
- साथियो, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आज 'स्किल बेस्ड एजुकेशन' से भारत का हर छात्र वैश्विक मानकों को छू रहा है।
- आज भारत का हर युवा एक 'वैश्विक पहचान' बनता जा रहा है; ऐसे में युवाशक्ति की जिम्मेदारी अपने राष्ट्र के प्रति और समस्त मानवता के प्रति और बढ़ जाती है।
- युवा प्रतिभाओं को निखारने की इस कड़ी में एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एमिटी यूथ फेस्टिवल 2020' का आयोजन वास्तव में एक सराहनीय कदम है।
- इस फेस्टिवल के अंतर्गत युवाओं द्वारा इनोवेशन एवं रिसर्च के क्षेत्र में नए प्रयोग किए गए हैं।
- इससे युवाओं की प्रतिभा और क्षमता को निखारने का अवसर मिलता है।
- यह अत्यंत हर्ष की बात है कि हज़ारों की संख्या में बच्चों और युवाओं ने इस 'एमिटी यूथ फेस्टिवल 2021' में भाग लिया और इस कार्यक्रम को जीवन्त बनाया है।

- मैं समझता हूँ कि आज का दिन यहाँ उपस्थित युवा शक्ति के लिए एक संकल्प लेने का दिन है कि 'हम अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत पर अपने वैभवशाली भविष्य की नींव रखेंगे। दरअसल इस प्रकार के कार्यक्रम देश की युवाशक्ति को नई दिशा देते हैं और निश्चय ही एमिटी विश्वविद्यालय उसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि **'एमिटी यूथ फेस्टिवल'** जैसे कार्यक्रमों से युवाओं में नई ऊर्जा और नई प्रेरणा का संचार होगा और भारत दिन-प्रतिदिन प्रगति व विकास की नई ऊँचाईयां छूता रहेगा। जय हिंद। जय भारत।